अनोखी चूत चुदाई के बाद-3

“पहली बार तो अनजाने में अँधेरे में गलती से बहूरानी मुझसे चुद गई थी लेकिन आज तो मेरे आग्रह पर वो मेरे लिए बल्कि यों कहें कि अपने यौनानन्द के लिए मेरे पास आने को तैयार थी. …”

Story By: Sukant Sharma (sukant7up)
Posted: Sunday, January 8th, 2017
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: अनोखी चूत चुदाई के बाद-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनोखी चूत चुदाई के बाद-3

टाइम ग्यारह से ज्यादा हो गया, मैं ऊपर वाली कोठरी में जाकर लेट गया।
‘अदिति आएगी ?’ यह प्रश्न मन में उठा, साथ में मैंने अपनी चड्डी में हाथ घुसा कर लंड को सहलाया।

‘जरूर आयेगी… जब उसे कल की चुदाई बार बार याद आयेगी और उसकी चूत में सुरसुरी उठेगी तो आना ही पड़ेगा !’ मेरे मन ने जैसे मुझे जवाब दिया।

‘वो घर की बहू है, उसे भी तो तमाम जिम्मेवारियाँ निभानी हैं, उसके मायके से भी कितनी लेडीज आई हुईं हैं, सबको एंटरटेन करना पड़ रहा होगा।’ यही सब सोचते सोचते मैं सोने की कोशिश करने लगा।

पर नींद कहाँ, आ भी कैसे सकती थी !
यूं ही ऊंघते ऊँघते पता नहीं कितनी देर बीत गई, फिर किसी की धीमी पदचाप सुनाई दी, दरवाजा धीरे से खुला कोई भीतर घुसा और दरवाजा बंद कर दिया।

उस नीम अँधेरे में मैंने अदिति को उसके जिस्म से उठती परफ्यूम की सुगंध से पहचाना !
हाँ वही थी !
वो चुपके से आकर मेरे बगल में लेट गई।

‘पापा जी. सो गये क्या ?’ वो धीमे से फुसफुसाई।
‘नहीं, बेटा. तुम्हारा ही इंतज़ार था !’ मैंने उसकी कमर में हाथ डाल कर उसे अपने से सटा लिया।
‘मेरा इंतज़ार क्यूँ ? मैंने यहाँ आने को थोड़े ही बोला था।’ बहू रानी मेरे बालों में उँगलियों

से कंघी करती हुई बोली।
'फिर भी मुझे पता था कि तुम आओगी, आईं या नहीं ?' कहते हुए मैंने उसके दोनों गाल बारी बारी से चूम लिए।

'पापाजी, वो तो नीचे सोने की जगह ही कहीं नहीं मिली तो आ गई !' वो बोली और मेरी बांह में चिकोटी काटी।
बदले में मैंने उसके दोनों मम्मे दबोच लिए और उसके होंठों का रस पीने लगा, वो भी मेरा साथ देने लगी और चुम्बनों का दौर चल पड़ा।

कभी मेरी जीभ उसके मुंह में कभी उसकी मेरे मुंह में... कितना सरस... कितना मीठा मुंह था बहूरानी का ! बताना मुश्किल है।
'अदिति बेटा !'
'हाँ पापा जी !'
'आज मैं तुझे जी भर के प्यार करना चाहता हूँ।'
'तो कर लीजिये न अपनी मनमानी, मैं रोकूंगी थोड़े ही !'

'मैं लाइट जलाता हूँ, पहले तो तेरा हुस्न जी भर के देखूंगा !'
'नहीं पापा जी, लाइट नहीं. कल की तरह अँधेरे में ही करो।'

'मान जा न... मैं तुझे जी भर के देखना चाहता हूँ आज !'
'नहीं, पापा जी, मैं अपना बदन कैसे दिखाऊं आपको ? बहुत शर्म आ रही है।'

वो मना करती रही लेकिन मैं नहीं माना और उठ कर बत्ती जला दी, तेज रोशनी कोठरी में फैल गई और बहूरानी अपने घुटने मोड़ के सर झुका के लाज की गठरी बन गई।
मैं उसके बगल में लेट गया और उसे अपनी ओर खींच लिया वो लुढ़क कर मेरे सीने से आ लगी।

बहूरानी ने कपड़े बदल लिए थे और अब वो सलवार कुर्ता पहने हुए थी और मम्मों पर दुपट्टा पड़ा हुआ था।

सबसे पहले मैंने उसका दुपट्टा उससे अलग किया, उसकी गहरी क्लीवेज यानि वक्ष रेखा नुमायां हो गई। गोरे गोरे गदराये उरोजों का मिलन स्थल कैसी रमणीक घाटी के जैसा नजारा पेश करता है।
मैंने बरबस ही अपना मुंह वहाँ छिपा लिया और दोनों कपोतों को चूमने लगा, उन्हें धीरे धीरे दबाने मसलने लगा, भीतर हाथ घुसा कर स्तनों की घुण्डी चुटकी में मसलने लगा।

ऐसे करते ही बहूरानी की साँसें भारी हो गईं।

फिर उसके बदन को बाहों में भर कर मैं उस पर चढ़ गया उसके चेहरे पर चुम्बनों की बरसात कर दी। उसने आंखें खोल कर एक बार मेरी तरफ देखा फिर लाज से उसका मुख लाल पड़ गया। गले को चूमते ही उसने अपनी बाहें मेरे गले में पिरो दीं और होंठ से होंठ मिला दिए।

बहूरानी का नंगा जिस्म

फिर मैं बहूरानी को कुर्ता उतारने को मनाने लगा, बड़ी मुश्किल से उसने मुझे कुर्ता उतारने दिया।
कुर्ता के उतरते ही मैंने उसकी सलवार का नाड़ा एक झटके में खोल दिया और उसे भी खींच के एक तरफ फेंक दिया। ऐसा करते ही बहू रानी ने अपना मुंह हथेलियों से छिपा लिया लेकिन मैंने दोनों कलाइयाँ पकड़ कर अलग कर दीं और उसका जिस्म निहारने लगा.

बहूरानी अब सिर्फ ब्रेजरी और पैंटी में मेरे सामने लेटी थी। ऐसा क़यामत ढाने वाला हुस्न तो मैंने सिर्फ फिल्मों में ही देखा था, साक्षात रति देवी की प्रतिमूर्ति थी वो तो!

मेरे यूँ देखने से अदिति ने अपनी आँखें मूंद लीं और उसका चेहरा आरक्त हो गया।
उसके काले काले घने बालों के चोटी भी मैंने खोल दी और उसके बालों को यूं ही छितरा दिया, घने बादलों के बीच गुलाबी चाँद सा खिल उठा उसका चेहरा!

हल्के गुलाबी रंग की डिजाइनर ब्रा पैंटी में बहूरानी का हुस्न बेमिसाल लग रहा था। ब्रा में छिपे बड़े बड़े बूब्स उसकी साँसों के उतार चढ़ाव के साथ उठ बैठ रहे थे और पैंटी के ऊपर से दिख रहा उसकी चूत का उभरा हुआ त्रिभुज जिसके मध्य में त्रिभुज को विभाजित करती उसकी चूत की दरार की लाइन का मामूली सा अहसास हो रहा था।

साढ़े पांच फुट का कद, सुतवां बदन, न पतला न मोटा, जहाँ जितनी मोटाई गहराई अपेक्षित होती है बिल्कुल वैसा ही सांचे में ढला बदन, चिकनी मांसल जांघें और उनके बीच बसी वो सुख की खान!

जैसे कई दिनों का भूखा खाने पर टूट पड़ता है, वैसे ही मेरी हालत हो रही थी कि जल्दी से बहूरानी की चड्डी भी उतार फेंकू और उसकी टाँगें अपने कंधों पे रख के अपने मूसल जैसे लंड को एक ही झटके में उसकी चूत में पेल दूं!

लेकिन नहीं, अगर कोई पैसे से खरीदी गई रंडी वेश्या रही होती तो जरूर मैं उसे वैसी ही बेदर्दी से चोदता लेकिन अपनी बहूरानी की तो बड़े प्यार और एहतियात से लेने का मन था मेरा!

फिर मैंने अपने कपड़े भी उतार फेंके और पूरा नंगा हो गया, मेरा लंड तो पहले ही बहूरानी की छिपी चूत देखकर फनफना उठा था। मैं नंगा ही बहूरानी के ऊपर चढ़ गया और उसे चूमने काटने लगा।
बहूरानी का बदन भी अब गवाही दे रहा था कि वो मस्ता गई है लेकिन लाज की मारी अभी भी आँखें मूंदें पड़ी थी। मैंने उसकी पीठ के नीचे हाथ ले जा कर ब्रेजरी का हुक खोल दिया

और उसके कन्धों के ऊपर से स्ट्रेप्स पकड़ कर ब्रा का खींच लिए !

वाऊ… 34 इंची ब्रा मेरे हाथ में थी अदिति के नग्न स्तन का जोड़ा मुझे एक क्षण को दिखा पर उसने तुरन्त अपनी बाहें अपने मम्मों पर कस दीं।

‘अदिति बेटा, देखने दे ना !’ मैंने कहा।
‘ऊं हूं…’ उसके मुंह से निकला और वो पलट के लेट गई। मैं भी उसकी नंगी पीठ पर लेट गया और उसकी गर्दन चूमने लगा, नीचे हाथ डाल कर उसके नंगे बूब्स अपनी मुट्ठियों में भर लिए और उन्हें मसलने लगा।

उधर मेरा लंड उसकी उसकी जाँघों के बीच रगड़ रहा था और उसके मांसल कोमल नितम्बों का स्पर्श मुझे बड़ा ही प्यारा लग रहा था, तभी सोच लिया था कि बहू की गांड भी एक बार जरूर मारूंगा आज !

उसकी गुदाज सपाट पीठ को चूमते चूमते मैं नीचे की तरफ उतरने लगा. उसके जिस्म से उठती वो मादक भीनी भीनी सी महक एक अजीब सा नशा दे रही थी।

उसकी कमर को चाटते चूमते मैंने उसकी पैंटी में अपनी उँगलियाँ फंसा दीं और उसे नीचे खिसकाना चाहा, लेकिन तभी बहूरानी पलट कर चित हो गई।

‘पापाजी, मुझे तो अब नींद आ रही है आप तो बत्ती बुझा दो अब और मुझे सोने दो !’ बहूरानी बड़े ही बेचैन स्वर में बोली।
‘अभी से कहाँ सोओगी बेटा जी. इन पलों का मज़ा लो, ये क्षण जीवन में फिर कभी नहीं आयेंगे।’ मैंने कहा और उसका एक मम्मा मुंह में लेकर चूसने लगा।

बहू रानी का शरीर शिथिल पड़ने लगा था और वो गहरी गहरी साँसें भरने लगी थी। मतलब साफ़ था कि अब वो चुदास के मारे बेचैन होने लगी थी उसकी पैंटी के ऊपर की

नमी गवाही दे रही थी कि उसकी चूत अब पनिया गई है।

फिर मैं उठ कर बैठ गया और उसके पैर की अंगुलियाँ और तलवे जीभ से चाटने लगा। मेरा ऐसे करते ही बहूरानी अपना सर दायें बाएं झटकने लगी और अपने बूब्स खुद अपने ही हाथों में भर के दबाने लगी।

जैसे ही मैंने उसकी पिंडलियों को चाटते चाटते चूम चूम के जाँघों को चाटना शुरू किया, वो आपे से बाहर हो गई और अपनी कमर उछालने लगी।

बहूरानी की नंगी चूत

अब बहूरानी की पैंटी उतारने का सही समय आ गया था, मैंने उसकी पैंटी को उतारना शुरू किया।
बहूरानी ने झट से अपनी कमर ऊपर उठा दी जैसे वो खुद भी यही चाह रही थी।

बहूरानी की गीली पैंटी उसकी चूत से चिपटी हुई सी थी उसके उतरते ही उसकी नंगी चूत मेरे सामने थी।
कल जब मैंने उसे चोदा था तो उस पर झांटें उगी थी पर आज वो एकदम चिकनी थी।

‘वाओ ! क्या बात है !’ अचानक मेरे मुंह से निकला।
‘क्या हुआ पापा जी, चौंक क्यों गये ?’ अदिति मुस्कुरा कर बोली।

‘अदिति बेटा कल तो यहाँ घना जंगल था ? और आज मैदान सफाचट कैसे हो गया ?’ मैंने उसकी चूत को सहलाते हुए पूछा।
‘मुझे क्या पता कौन चर गया पूरी घास ? मैं तो अपने काम में बिजी थी सारा दिन !’ वो हंस कर बोली।

‘अभी देखना मैं इसमें अपना हल चला के इसे जोत देता हूं और बीज भी बो देता हूं फिर देखना कितनी मस्त फसल उगती है।’ मैंने कहा।और उसकी चूत में उंगली घुसा दी।

‘उई माँ…उम्म्ह… अहह… हय… याह…’ वो बोली और अपनी टाँगें ऊपर उठा के मोड़ लीं।

बहूरानी के बदन की गोरी गुलाबी जाँघों के बीच वो सांवली सी गद्देदार फूली हुई चूत कितनी मनोहर लग रही थी, चूत के ऊपर बाएं होंठ पर गहरा काला तिल था जो उसे और भी सेक्सी बना रहा था।

मैंने झट से अपने होंठ बहूरानी की चूत पर रख दिए और उसे ऊपर से ही चाटने लगा। उसकी चूत का चीरा ज्यादा बड़ा नहीं कोई चार अंगुल जितना ही था लम्बाई में!

मेरे चाटते ही बहू के मुंह से कामुक आहें कराहें निकलने लगीं।

‘अदिति बेटा!’ मैंने कहा।
तो उसने प्रश्नवाचक नज़रों से मुझे देखा।

‘खोल दो इसे अपने हाथों से!’ मैंने कहा।
उसने झट से अपना हाथ अपनी चूत पर रखा और अंगूठे और उंगली के सहारे उसने अपनी चूत को यूं ओपन कर दिया जैसे हम अपने टच स्क्रीन फोन पर कोई फोटो ज़ूम करते हैं!

‘ऐसे नहीं… अपने दोनों हाथ से खोलो अच्छी तरह से मेरी तरफ देखते हुए!’ मैंने कहा।
‘आप तो मुझे बिल्कुल ही बेशर्म बना दोगे आज! ऐसे तो मैंने अभिनव के सामने भी नहीं खोल के परोसी कभी!’ वो शरमा कर बोली।

‘देखो बेटा, जो स्त्री सम्भोग काल में बिल्कुल निर्लज्ज होकर भांति भांति की काम केलि

करती हुई अपने हाव भाव से, अपनी अदाओं से, अपने गुप्त अंगों को प्रदर्शित कर अपने साथी को लुभा लुभा कर उसे उत्तेजित कर समर्पित हो जाती है वही हमेशा उसकी ड्रीम गर्ल बन के रहती है।' मैंने कहा और उसकी चूत को चुटकी में भर के हिलाया।

'ठीक है पापा जी, समझ गई यह ज्ञान!' वो बोली और उसने झट से अपने दोनों हाथ अपनी चूत पर रखे और उंगलियों से उसे पूरा फैला दिया और मेरी होठों पर मीठी मुस्कान लिए मेरी आँखों में झाँकने लगी।

मुझे लड़की का यह पोज बहुत ही पसन्द आता है जब वो चुदासी होकर चुदवाने को अपनी चूत अपने दोनों हाथों से खोलकर चोदने को आमंत्रित करती है।

उसके वैसे करते ही चूत के भीतर का लाल तरबूज के जैसा रसीला गूदा दिखने लगा. साथ ही उसकी चूत का दाना खूंटे जैसा उभर के लपलपाने लगा।

फिर मैंने उसके दोनों बूब्स कस के पकड़ लिए और जैसे ही मैंने उसकी चूत के दाने पर जीभ रखी वो उत्तेजना के मारे उछलने लगी और उसकी चूत मेरी नाक से आ टकराई।
लेकिन मैंने उसकी जांघें कस के दबा के उसकी चूत को गहराई तक चाटने लगा, उसकी चूत रस बरसाने लगी। साथ साथ मैं उसका कुच मर्दन भी करता जा रहा था।

उत्तेजना के मारे अदिति ने बेडशीट को अपनी मुट्ठियों में जकड़ लिया और अपनी चूत बार बार ऊपर उछालने का प्रयास करने लगी।

'जीभ मत डालो पापा जी.. असली चीज डाल दो अब तो! नहीं रहा जा रहा अब!' वो अपनी कमर उचका के बोली।
'क्या डाल दूं अदिति? उसका नाम तो बताओ?'
'अपना पेनिस!'

‘हिंदी में बताओ न ?’
‘अपना लिंग डाल दो न पापा जी !’
‘लिंग नहीं कोई और नाम बताओ !’ मुझे अदिति को सताने में मजा आ रहा था।

‘उफ्फ… मुझे कुछ नहीं पता अब ! मत करो आप कुछ !’ वो थोड़ा झुंझला के बोली लेकिन मैंने उसकी चूत चाटना और बूब्स मसलना जारी रखा।

मुझे बहूरानी की चूत मारने की कोई जल्दी नहीं थी, मुझे अपने पे पूरा कंट्रोल था, बस चूत को खूब देर तक रस ले ले चाटना मुझे बहुत पसन्द है, और वही मैं करने लगा।
भला अदिति बहूरानी की चूत चाटने चूमने का ऐसा बढ़िया मौका जीवन में दुबारा मिले न मिले, किसे पता ?

‘आह.. हूं… करो… मत करो ! मान जाओ पापा .. सुनो !’
‘हाँ बोलो बेटा जी ?’ मैंने उसकी चूत के दाने को चुभला कर पूछा।

‘अपना लंड घुसा दो अब जल्दी से…’ अदिति ने अपनी कमर उछाली।
‘कहाँ लोगी.. यहाँ लोगी ?’ मैंने उसकी गांड के छेद को सहलाते हुए पूछा।

‘धत्त… वहाँ नहीं, कल की तरह मेरी वेजाइना में डाल के जल्दी से फक कर दो मुझे !’ वो मिसमिसाते हुए बोली।
‘वेजाइना नहीं, अपनी बोली में कहो कि कहाँ लोगी मेरा लंड ?’ मैंने उसकी नारंगियों को मसकते हुए पूछा।
‘मेरी योनि में घुसा दो अब लंड को !’ उसने जैसे रिक्वेस्ट सी की।

‘योनि नहीं, कोई दूसरा नाम बताओ इसका तभी मिलेगा मेरा लंड !’ मैंने उसे और सताया फिर उसके भगान्कुर को होठों में ले के चुभलाने लगा।

आपको मेरी हिन्दी सेक्स स्टोरी कैसी लग रही है, अपने कमेंट कहानी के नीचे अवश्य लिखिए।

कहानी जारी रहेगी।

sukant7up@gmail.com

Other stories you may be interested in

ममेरी भाई की शादी में बहन की गांड मारी

दोस्तो मेरा नाम है सूर्या सोनी … मैं राजस्थान से हूँ. मैं काफी साल से अन्तर्वासना पर पोर्न कहानियां पढ़ रहा हूँ तो मैंने भी सोचा कि क्यों ना में भी मेरे पुराने हसीन पलों को आपके साथ शेयर करूँ ! […]
Full Story >>>

चाची से सीखी चूत की चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम चेतन है, मेरी उम्र अभी 20 साल की है. अन्तर्वासना पर में कई सालों से बहुत सारी कहानियां पढ़ता रहा हूँ. तो मैंने भी सोचा क्यों न अपनी भी सच्ची सेक्स स्टोरी लिखूं, जो मैंने अपने साथ […]
Full Story >>>

तनहा औरत को परम आनन्द दिया-2

जैसा आप लोगों ने मेरी सेक्स कहानी के पहले भाग तनहा औरत को परम आनन्द दिया-1 में पढ़ा कि पूर्वी मैडम को मेरे साथ सेक्स करके बहुत मज़ा आया और अब वो मुझसे सप्ताह में कम से कम एक बार […]
Full Story >>>

कम्प्यूटर सीखने के बहाने सेक्स का खेल-1

आप सभी अन्तर्वासना के पाठकों का धन्यवाद, जो आपने मेरी कहानी पड़ोसन भाभी की ठरक को पढ़कर अपने मस्त कमेन्ट मुझे भेजे. ऐसे ही आप अपना प्यार बनाए रखें. मैं पार्ट-टाईम में कंप्यूटर पढ़ाने का काम भी करता हूँ. जब […]
Full Story >>>

लंड के मजे के लिये बस का सफर-3

मैंने हिम्मत दिखाते हुए कहा- मैं तुमको नंगी देखना चाहता हूँ और इसलिये तुम अपने कपड़े मेरे सामने उतारकर फ्रेश होने जाओ। तब पल्लवी एक बार फिर मुझसे बोली- अब मुझे जाने दो, मेरा प्रेशर बहुत बढ़ता जा रहा है। […]
Full Story >>>